# महावीरा कृषि समाचार

YEAR 4 | EDITION 3 मार्च, 2026 www.rmphosphates.com

# एग्रीकल्चर News:

## किसान ही नहीं, अब रोबोट भी करेंगे खेती! दिल्ली के IARI ने लॉन्च की AI-रोबोटिक्स लैब,

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स लैब की स्थापना से खेती में तकनीकी क्रांति की शुरुआत हुई है, जिससे किसानों की आय बढ़ेगी। अब आसानी से किसानों की आमदनी दोगुनी हो जाएगी।

**नई दिल्ली:** भारत की कृषि व्यवस्था अब एक ऐतिहासिक बदलाव की दहलीज पर खड़ी है। देश के प्रतिष्ठित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (IARI) नई दिल्ली में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स लैब की स्थापना के साथ खेती-किसानी में तकनीकी क्रांति की नई शुरुआत हो चुकी है। यह देश की अपनी तरह की पहली उन्नत लैब है, जिसका उद्देश्य पारंपरिक खेती को स्मार्ट फार्मिंग में बदलना है। अब खेतों में सिर्फ हल और ट्रैक्टर ही नहीं, बल्कि सेंसर, ड्रोन, रोबोट और एआई आधारित मशीनें भी किसानों की साथी बनेंगी।

इसकी शुरुआत भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के डिविजन ऑफ एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग में की गई है और इसका उद्घाटन डॉ. एम एल जाट जोकि महानिदेशक है उन्होंने किया है। डिवीजन ऑफ एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग के साइंटिस्ट डॉ. दिलीप कुमार कुशवाहा ने बताया कि रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस लैब में एक सर्वर रूम है। एक कंप्यूटर लैब है और एक रैपिड प्रोटोटाइप फैब्रिकेशन कैमरा है, जहां पर तमाम मशीन रोबोट तैयार किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इस विभाग के हेड और प्रिंसिपल साइंटिस्ट डॉ. पीके साहू है।

RMPCL

तुरंत एक्सपर्ट कृषि सलाह व समाधान पाये,
आज ही हमसे कॉल द्वारा जुड़े : 8956926412

MAHAVEERA ZIRON

# उड़द की उन्नत खेती के बारे में जानकारी -

**उड़द (Black gram) :** भारत की महत्वपूर्ण दलहनी फसल है। इसमें लगभग 22–25% प्रोटीन पाया जाता है और यह मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने में भी सहायक होती है क्योंकि इसकी जड़ों में राइजोबियम बैक्टीरिया नाइट्रोजन स्थिरीकरण करते हैं।

## जलवायु और भूमि

- **उड़द** की खेती के लिए **गर्म और आर्द्र जलवायु** उपयुक्त होती है।
- **तापमान:** 25–35°C
- **मिट्टी:** दोमट या बलुई दोमट मिट्टी सबसे अच्छी रहती है।

## बुवाई का समय

| मौसम | बुवाई समय |
|---|---|
| खरीफ | जून – जुलाई |
| जायद | मार्च – अप्रैल |
| रबी (कुछ क्षेत्रों में) | अक्टूबर – नवंबर |

## बीज दर और दूरी

- **बीज दर:** 15–20 किग्रा/हेक्टेयर
- **पंक्ति दूरी:** 30 सेमी
- **पौधे की दूरी:** 10 सेमी
- **बुवाई गहराई:** 3–4 सेमी

RMPCL
आ गया है एकसाथ 6 पोषक तत्वों वाला 6 Nutrition का Sixer
महावीरा ज़िरोंन पॉवर सभी फसलों के लिए मान्य
MAHAVEERA ZIRON

## बीज उपचार

- राइज़ोबियम कल्चर: 25 ग्राम/किग्रा बीज
- फफूंदनाशक: कार्बेंडाजिम 2–3 ग्राम/किग्रा बीज

इससे अंकुरण अच्छा होता है और नाइट्रोजन स्थिरीकरण बढ़ता है।

## सिंचाई

- सामान्यतः खरीफ में वर्षा पर्याप्त होती है।
- जायद में 2–3 सिंचाई आवश्यक होती हैं:

1. फूल आने पर
2. फली बनने पर

## रोग

पत्ती मोड़क रोग (Yellow Mosaic Virus)

## नियंत्रण

- रोग प्रतिरोधी किस्में लगाएं और सफेद मक्खी नियंत्रण करें।

## कटाई

- जब 80–85% फलियां काली हो जाएं तब कटाई करें।
- कटाई के बाद 2–3 दिन सुखाकर दंवनी करें।

## उत्पादन

- सामान्य उत्पादन: 12–15 क्विंटल/हेक्टेयर
- उन्नत तकनीक से: 18-20 क्विंटल/हेक्टेयर तक

# खाद और उर्वरक खाद प्रबंधन

## उड़द की फसल में पोषक तत्वों का प्रबंधन
## ( अनुशंसित उर्वरक की मात्रा - KG 08:16:08) प्रति एकड़

| अवधि | Mahaveera Ziron Power Plus | MOP | Urea | Symtron | Chelgro Chelated Mn 10 % | AMITRON-Z (Zinc + Amino Acid) | 00:52:34 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | KG | KG | KG | KG | GM | ML | KG |
| बुवाई के समय | 100 | 13 | 0 | 4 | 500 | 0 | 0 |
| 15-20 दिन बाद में | 0 | 0 | 18 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 40-45 दिन बाद में | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 250 | 0 |
| 65-70 दिन बाद में | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 |
| कुल मात्रा KG/GM/ML | 100 | 13 | 18 | 4 | 500 | 250 | 1 |
| जल घुलनशील उर्वरक 4-5 ग्राम /लीटर पानी मे | 70-75 दिन की अवधि मे 00.00.50 का एक छिड़काव अवश्य करे। इस से उत्पादन में विशेष फायदा मिलता हैं। | | | | | | |

# महावीरा एग्री एड्वाइज़री

## टमाटर की प्रमुख बीमरियाँ और उनके लक्षण बताए :

- **पछेती झुलसा (Late Blight):** फाइटोफ्थोरा कवक के कारण होता है, जो ठंड और नम मौसम में पत्तियों और फलों पर गहरे, पानी से भीगे धब्बे पैदा करता है, जिससे पौधे पूरी तरह झुलस सकते हैं।
- **अगेती झुलसा (Early Blight):** पुरानी पत्तियों पर छोटे, भूरे धब्बे, जो बड़े होकर संकेंद्रित छल्लों (target rings) का आकार ले लेते हैं।
- **विषाणु रोग (Virus/Leaf Curl):** पत्तियों का मुड़ना (Leaf Curl), पीलापन, और पौधे का बौना रह जाना। यह मुख्य रूप से थ्रिप्स या सफेद मक्खी द्वारा फैलाया जाता है।
- **फ्यूज़ेरियम विल्ट (Wilt):** पौधा अचानक मुरझा जाता है क्योंकि फंगस पौधे की जल आपूर्ति रोक देती है।

# तरबूज कितने दिन में फल देता है?

तरबूज की फसल आमतौर पर बुवाई के 70 से 100 दिनों के भीतर फल देने लगती है और कटाई के लिए तैयार हो जाती है, हालांकि यह किस्म, जलवायु और देखभाल पर निर्भर करता है, कुछ किस्में 90-100 दिन में, जबकि कुछ 110-115 दिन में पक जाती हैं और सही देखभाल से 70-90 दिनों में भी तैयार हो सकती हैं।

RMPCL
महावीरा ले कर आया है अपने किसान भाइयों के लिए
उत्तम जल घुलनशील उर्वरक उम्दा क्वालिटी के साथ
MAHAVEERA ZIRON

## मूंग की फसल में पीला मोज़ेक वायरस (YMV) की जानकारी दे ?

मूंग की फसल में पीला मोज़ेक वायरस (YMV) सफेद मक्खी द्वारा फैलने वाला एक प्रमुख, विनाशकारी रोग है जो पत्तियों को पीला/सफेद करके 100% तक उत्पादन घटा सकता है। इसके लक्षण पत्तों पर पीले-हरे धब्बे और पत्तियों का मुड़ना हैं।

## ग्रीष्मकालीन मूंग फसल में पीला मोजेक रोग से बचाव के उपाय बताए ?

ग्रीष्मकालीन मूंग फसल में पीला मोजेक रोग से बचाव के लिए कृषि वैज्ञानिक की सलाह – कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ. मुकेश बंकोलिया ने ग्रीष्मकालीन मूंग की फसल उगाने वाले किसानों को पीला मोजेक रोग से सतर्क रहने की सलाह दी है। उन्होंने बताया कि यह रोग एक विषाणुजनित रोग है, जो मुख्यतः सफेद मक्खी (व्हाइटफ्लाई) के माध्यम से एक पौधे से दूसरे पौधे में फैलता है।

डॉ. बंकोलिया ने बताया कि रोग की प्रारंभिक अवस्था में ही पीला मोजेक से ग्रसित पौधों को खेत से उखाड़कर नष्ट कर देना चाहिए, जिससे संक्रमण फैलने से रोका जा सके। साथ ही, उन्होंने खेत में पीले चिपचिपे प्रपंच (येलो स्टिकी ट्रैप) लगाने की सिफारिश की है, जिससे सफेद मक्खी को आकर्षित कर नियंत्रित किया जा सकता है।

RMPCL
आ गया है एकसाथ 6 पोषक तत्वों वाला
6 Nutrition का Sixer
महावीरा ज़िरोंन पॉवर सभी फसलों के लिए मान्य
MAHAVEERA ZIRON

# महावीरा यशोगाथा

**हरी सिंह**
**भवरास**
**फसल- मूंग**
**प्रोडक्ट- महावीरा ज़िरोंन**

मेरा नाम हरी सिंह है और मैं भवरास गाँव का रहने वाला हूँ। मैंने अपनी 4 एकड़ मूंग की फसल में महावीरा ज़िरोंन का उपयोग किया। मैंने पिछले साल भी ज़िरोंन इस्तेमाल किया था, जिससे मुझे बहुत फायदा हुआ और फसल का उत्पादन भी बढ़िया मिला। इसी अच्छे अनुभव के कारण इस साल भी मैं महावीरा ज़िरोंन खरीदने आया हूँ।
मैं अपने सभी किसान भाइयों से यही कहना चाहता हूँ कि आप भी ज़िरोंन का उपयोग करें।
ज़िरोंन के साथ खेती करने से फसल अच्छी होती है और उत्पादन भी बेहतर मिलता है।

**संदीप कुमार**
**घरौंदा, करनाल**
**फसल- टमाटर**
**प्रोडक्ट- महावीरा ज़िरोंन**

मेरा नाम संदीप कुमार है। मैं घरौंदा,जिला करनाल का रहने वाला हूँ। इस बार DAP न मिलने के कारण मैंने अपनी टमाटर की फसल में महावीरा ज़िरोंन के 10–12 बैग का उपयोग किया। ज़िरोंन डालने के बाद मुझे बहुत ही अच्छा रिजल्ट मिला है। मेरी फसल में फल और फुटाव दोनों बढ़िया हुआ है। DAP की जो कमी थी, ज़िरोंन ने पूरी की है। मैं अपने सभी किसान साथियों से निवेदन करता हूँ कि वे भी महावीरा ज़िरोंन का उपयोग करके देखें। मुझे इसका रिज़ल्ट DAP के मुकाबले बहुत ही अच्छा मिला है।

तुरंत एक्सपर्ट कृषि सलाह व समाधान पाये,
आज ही हमसे कॉल द्वारा जुड़े : 8956926412
RMPCL MAHAVEERA ZIRON